# जोगी निक्का जेहा शाहतलाइयाँ विच गुफा दे बैठा

शाहतलाइयाँ विच गुफा दे बैठा कोई जोगी,
जद जोगी नु मैं सी तकिया मैं दीवानी हो गई,
एता निक्का जेहा कौन एह ता सोहना जेहा कौन जोगी निक्का जेहा,

जोगी मेरे दी की है निशानी,
सोहनिया जटावा ते रूप नूरानी,
ओह ता बोहड़ा हेठा रेह्न्दा जोगी निक्का जेहा,

पौणाहारी दा रूप निराला हथ विच चिमटा सिंगियाँ वाला,
ओहता धुना लाके बेहंदा जोगी निका जेहा

जोगी मेरे दी सूरत भोली,
पैरी खड़ावा मुंड झोली,
ओह ता धरुनाझाड़ी बेहंदा जोगी निक्का जेहा,

जोगी मेरे दी कहा मैं कहानी गौआँ चरावे उम्र नयाणी,
ओह ता माँ रत्नो दा लाल जोगी निक्का जेहा

निशा निष् दिन गुण तेरा गावे,
बाबा जी दियां भेटा सुनावे,
ओह ता कॉल गिरी रेह्न्दा जोगी निक्का जेहा

Source:
https://www.bharattemples.com/jogi-nikka-jeha-shahtalaiyan-vich-gufa-de-betha/

Bharat Temples

Complete Bhajans Collections - Download Free Android App
https://play.google.com/store/apps/details?id=com.numetive.bhajans

Facebook: https://www.facebook.com/bharattemples/
Telegram: https://t.me/bharattemples
Youtube: https://www.youtube.com/channel/UC24oJCxZJyhhKzSUD-Lt9Tw